विचार बिन्दु

ईश्वर बड़े बड़े साम्राज्यों से ऊब उठता है किंतु छोटे-छोटे पुष्पों से कभी खिन्न नहीं होता। –रवीन्द्रनाथ ठाकुर

मध्यम वर्ग ने बदली आर्थिक विकास की तस्वीर

किसी भी देश की आर्थिक-सामाजिक विकास की तस्वीर सजीव मध्यम वर्ग के माध्यम से ही देखी जा सकती है। दरअसल मध्यम वर्ग जहां आर्थिक विकास को गति देता हैं वहीं किसी भी देश में गरीबी का स्तर क्या है, इसका आकलन भी मध्यम वर्ग की सक्रियता से ही सामने आ पाता है। औद्योगिक क्रांति के बाद से दुनिया भर में मध्यम वर्ग का तेजी से उभार हुआ है। दरअसल मध्यम वर्ग चौराहे पर राह देख रहे व्यक्ति की तरह है। वह एक और गरीब वर्ग से अपने को अलग दिखाने का प्रयास करता है तो दूसरी और उच्च वर्ग के सपनें को लेकर जीता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि मध्यम वर्ग की बीच ही सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धा है। एक दूसरे से अपनी कमीज को उजली बताने के चक्कर में मध्यम वर्ग उलझा रहता है। इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि मध्यम वर्ग की प्रतिस्पर्धा ही आर्थिक विकास को गति देती है। मांग व आपूर्ति का बाजार मध्यम वर्ग के सक्रियता पर निर्भर है। वास्तविकता तो यह है कि मध्यम वर्गीय मानसिकता संतुष्ट नहीं रहने देती और इसी कारण से वह हमेशा कुछ ना कुछ नया पाने की उधेड़बुन में रहता है। बच्चों को शिक्षा अच्छी तो खान-पान स्तरीय हो, नित नया पाने के चक्कर में सर्वाधिक मानसिक तनाव भी मध्यम वर्ग ही भुगतता है।

माने या ना माने पर इसमें कोई दो राय नहीं कि किसी भी देश के आर्थिक-सामाजिक विकास में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। यह केवल हमारे देश के संदर्भ में ही नहीं अपितु समूचे विश्व की बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का अध्ययन किया जाएगा तो कारण यही सामने आएगा। सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तरह से श्रमिक वर्ग उभर कर आया तो औद्योगिक क्रांति का ही बाई प्रोडक्ट मध्यम वर्ग का उत्थान माना जा सकता है। आर्थिक विश्लेषकों की माने तो आर्थिक विकास का कोई ग्रोथ इंजन है तो वह मध्यम वर्ग है। ज्यादा दूर नहीं जाए और केवल वर्तमान दशक की शुरुआत बल्कि 2021 की ही बात करें तो देश में 30 फीसद परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में आ गए थे। ऐसा माना जा रहा है कि 2031 तक यह आंकड़ा बढ़कर 46 फीसद को छू जाएगा। यानी कि इस दशक में बचे साढ़े पांच साल में भी मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में तेजी से सुधार होगा। 2021 में जहां 9.1 करोड़ परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में थे वहीं 2031 तक यह संख्या बढ़कर 16.9 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है। किसी भी देश और उसकी अर्थ व्यवस्था के लिए यह अपने आप में किसी बढ़ी उपलब्धि से कम नहीं आंकी जा सकती। विशेषज्ञों के अनुसार 5 लाख से 38 लाख सालान आय वाले परिवारों को मध्यम आय वर्ग श्रेणी में माना गया है। यह भी समझना होगा कि मध्यम वर्ग का विस्तार का सीधा सीधा अर्थ गरीबी रेखा से लोगों का बाहर आना और बाजारु गतिविधियों में तेजी आने का कारण मध्यम वर्ग ही है। मांग और आपूर्ति को भी मध्यम वर्ग के संदर्भ में ही देखा और समझा जा सकता है।

दरअसल मध्यम वर्ग व्हाईट कॉलर का प्रतिनिधित्व करता है। वह इस प्रयास में रहता है कि दिन-प्रतिदिन वह अधिक से अधिक साधन जुटाएं, भले ही उसके लिए उसे उधार का सहारा लेना पड़े। यहां यह भी समझ लेना जरुरी हो जाता है कि उच्च आय वर्ग की अपनी समझ व पहुंच होती है। पहली बात तो उच्च आय वर्ग की दायरें में कम लोग है। उनकी पसंद ना पसंद अलग होती है। उनके लिए जो उत्पाद बाजार में आएंगे वो अलग श्रेणी के होंगे। मध्यम वर्ग लगभग उसी दौड़ में दौड़ने का प्रयास करता है। उच्च वर्ग के पास लक्जिरियस चौपहिया वाहन है तो उसकी मांग पहले चरण में चौपहिया वाहन व उसके बाद ज्यों-ज्यों वह थोड़ा आगे बढ़ना चाहेगा अपनी पहुंच के सुविधाजनक चौपहिया वाहन पाने की कोशिश में जुट जाएगा। इसी तरह से बाजार की मांग को मध्यम वर्ग ही बढ़ाता है। तस्वीर हमारे सामने हैं। ज्यादा पुरानी बात नहीं दो दशक ही हुए होंगे कि घरों में पंखों की जगह कूलरों ने ली और कूलरों में भी हैसियत अनुसार ब्राण्डेड कंपनियों से लेकर लोकल कंपनियों के कूलरों ने घरों में जगह बनाई। आज तस्वीर का दूसरा पहलू सामने आ गया है जिस एयर कण्डीशनर के लिए केवल सोचा जा सकता था वह आज घर-घर में पहुंच गया है। कम से कम एक एसी तो मध्यम वर्गीय परिवार में देखने को आसानी से मिल जाएगा। इसे यों समझा जा सकता है कि मध्यम वर्ग के विस्तार के अनुसार बाजार में मांग बढ़ी तो नित नई कंपनियां बाजार में आई और इससे अर्थ व्यवस्था को गति मिलने के साथ ही रोजगार के अवसर बढ़े। यह तो एक उदाहरण मात्र है। देखा जाए तो फास्टफूड हो या कंफेक्शनरी या शॉफ्ट ड्रिंक या इसी तरह की अन्य खाने-पीने की चीजें इसको बाजार मिला है तो इसका श्रेय मध्यम वर्ग को ही जाता है। पर्सनल केयर आइटम्स की मांग और आपूर्ति भी मध्यम वर्ग के कारण ही बढ़ी है। आज ओन लाईन का जो बाजार खड़ा हुआ है उसको गति दी है तो वह मध्यम आय वर्ग के लोगों ने ही दी है। स्कूटर, स्कूटी, कार से लेकर वाहनों की जो रेलम पेल देखी जा रही है वह इस मध्यम वर्ग के कारण ही है। रियल स्टेट जिस तरह से आगे बढ़ रहा है और गगनचुंबी इमारतों का जिस तरह से जाल बिछ रहा है वह मध्यम वर्ग के कारण ही संभव हो पा रहा है। यही कारण है कि आज देशी विदेशी कंपनियां मध्यम वर्ग को केन्द्रीत कर अपने उत्पादों को बाजार में उतार रही है। सही मायने में कहा जाये तो जिसने मध्यम वर्ग की मांग को समझा वह मालामाल होता जा रहा है और उसकी बाजार में पकड़ तेज होती जा रही है।

देखा जाए तो फास्टफूड हो या कंफेक्शनरी या शॉफ्ट ड्रिंक या इसी तरह की अन्य खाने-पीने की चीजें इसको बाजार मिला है तो इसका श्रेय मध्यम वर्ग को ही जाता है। पर्सनल केयर आइटम्स की मांग और आपूर्ति भी मध्यम वर्ग के कारण ही बढ़ी है। आज ओन लाईन का जो बाजार खड़ा हुआ है उसको गति दी है तो वह मध्यम आय वर्ग के लोगों ने ही दी है।

ऐसे में यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि तेजी से बढ़ती अर्थ व्यवस्था का बहुत कुछ श्रेय मध्यम वर्ग को जाता है। क्योंकि बाजार को गति मध्यम वर्ग के कारण ही मिल पाती है। जिस तरह से कहा जाता है कि लघु एवं मध्यम उद्योग सर्वाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है तो अर्थ व्यवस्था को भी गति मिलती है। मध्यम आय वर्ग में इजाफा होने का मतलब साफ-साफ यह हो जाता है कि देश की अर्थ व्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इसे यों समझा जा सकता है कि मध्यम आय वर्ग या दूसरे अर्थ में हम मध्यम वर्ग की बात करें तो जीवन जीने का कोई आनंद लेता है तो वह मध्यम वर्ग ही है। मध्यम वर्ग के लोग जीवन को जीने में विश्वास रखते हैं भले ही उन्हें ऋणं कृत्वा घृतं पीबेत की मानसिकता के अनुसार जीवन यापन करना पड़ें। यही कारण है कि मध्यम वर्ग दिल खोलकर पैसा खर्च करता है। इसका एक कारण सामाजिक ताने बाने की भाषा में हम कहें तो यह कहा जा सकता है कि बहुत कुछ वह दिखावें के लिए करता है। जीवन यापन की दिखावे की इस प्रतिस्पर्धा में वह वो सब कुछ पाना चाहता है जो उसके परिवार, पड़ोसी, मित्रगण या आसपास के लोगों के पास है। इसमें रहन-सहन, खान-पान, पहनना-ओढ़ना, शिक्षा और इसी तरह की अन्य वस्तुओं/साधनों को प्राप्त करना मध्यम वर्ग का ध्येय रहता है और इसी कारण बाजार में नित नए उत्पादों की मांग बढ़ती है तो देश के लोगों के जीवन स्तर का पता चलता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

प्राकृतिक जलवायु समाधानों को बढ़ावा देने में डॉ. दीपनारायण पाण्डेय का अग्रणी योगदान

जयपुर। राजस्थान के पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख डॉ. दीप नारायण पाण्डेय वर्तमान में भारत में प्राकृतिक जलवायु समाधान (नेचुरल क्लाइमेटसल्यूशन) को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. पाण्डेय टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्डस्टडीज में चीफ साइंटिस्ट (नेचुरलक्लाइमेटसल्यूशन्स) के रूप में परामर्श दे रहे हैं। जलवायु परिवर्तन से निपटने और कार्बन संचय को बढ़ाने के एक महत्वपूर्ण प्रयास में डॉ. पाण्डेय ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, जम्मू और कश्मीर और मेघालय सहित 11 राज्यों में भारतीय वन सेवा और राज्य वन सेवा के 800 से अधिक अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा।

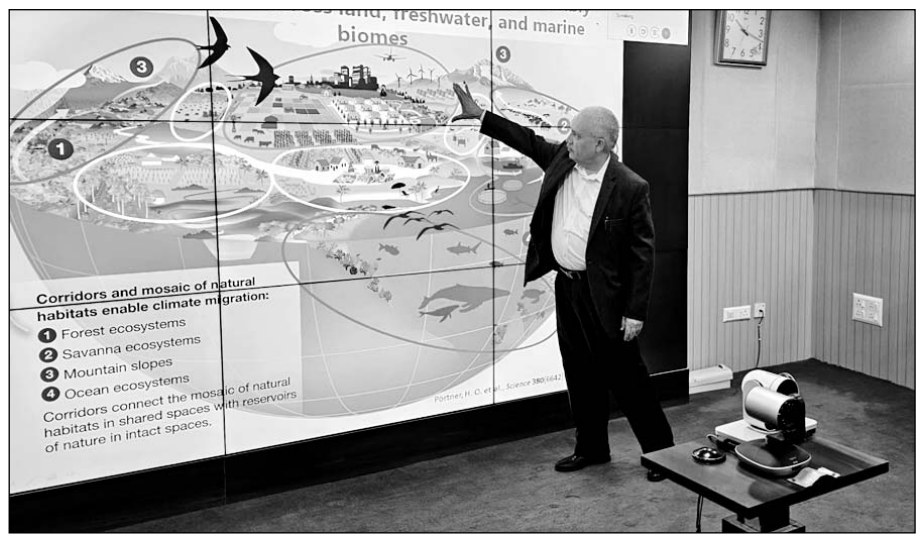

राजस्थान के पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख डॉ. दीप नारायण पाण्डेय कई राज्यों में अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार कर रहे हैं।

■ **जलवायु परिवर्तन से निपटने और कार्बन संचय को बढ़ाने के एक महत्वपूर्ण प्रयास में डॉ. पाण्डेय ने कई राज्यों में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है**

डॉ. पाण्डेय के नेतृत्व में नेचुरलक्लाइमेटसल्यूशन्स पर अभी तक 11 स्टेट राउंडटेबल्स का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है, साथ ही एक राष्ट्रीय राउंडटेबल भी आयोजित किया गया है, जिसमें भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) के 9 संस्थानों और 4 केंद्रों के वैज्ञानिकों को नेचुरलक्लाइमेटसल्यूशन्स पर जानकारी प्रदान की गई है। इन गोलमेज सम्मेलनों ने वैज्ञानिक विचार-विमर्श, सर्वोत्तम क्रियान्वयन को साझा करने तथा नेचुरलक्लाइमेटसल्यूशन्स के क्षेत्र में कार्यान्वयन के लिए सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. पाण्डेय के नेतृत्व में की गई पहल भारत सरकार के नेशनलीडेटरमाइंड कंट्रीब्यूशंस के लक्ष्यों को पूरा करने में सीधे योगदान दे रही है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक भारत में 2.5 से 3 बिलियन टन कार्बन को अतिरिक्त संचित करना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में भारत के गंभीर योगदान को रेखांकित करता है। भारत की जलवायु रणनीति में नेचुरल क्लाइमेटसल्यूशन्स की भूमिका और इस क्षेत्र में निरंतर अनुसंधान, क्षमता बढ़ाना, नीतिगत व क्रियान्वयन को बेहतर करने हेतु जानकारी दी जा रही है।

डॉ. पाण्डेय तथा टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के प्रोफेसर शालीन सिंघल द्वारा परिकल्पित इस ज्ञान और प्रशिक्षण कार्यक्रम को द नेचर कंजरवेंसी से समर्थन प्राप्त हुआ है और इसे टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज से संचालित किया जा रहा है। इस प्रयास में टीएनसी के डॉ. सुशील सहगल, डॉ. सुदीप्तो चटर्जी, डॉ. श्वेता सिंह और टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के प्रोफेसर शालीन सिंघल की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। नीति और क्रियान्वयन दोनों स्तरों पर कार्यक्रम का गहरा प्रभाव रहा है, जिससे देशभर में एनसीएस रणनीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

गणगौर महोत्सव में हरि प्रसाद ओझा समृति सम्मान से सम्मानित होंगे लोक कलाकार

जयपुर। सनातन प्रेमी, संस्था चूरू की ओर से गुरुवार 11अप्रेल को गोपाल चौक, चूरू में आयोजित होने वाले गणगौर महोत्सव के अवसर पर शेखावाटी के मशहूर लोक कलाकार स्व. हरिप्रसाद ओझा की समृति में चूरू के वरिष्ठ कलाकार मोतीलाल सोनी, ख्यालीराम नाई व जगदीश प्रसाद देवड़ा को सम्मानित किया जायेगा। चूरू की आन-बान और शान स्व हरिप्रसाद ओझा ने गीत, संगीत, नृत्य, रंगमंच, लोक परंपराओं, प्रदर्शन कलाओं, संस्कारों और अनुष्ठानों के जरिये लोक संस्कृति को अक्षुण्य रखने के भरपूर प्रयास किये थे। वरिष्ठ संस्कृति कर्मी और पत्रकार गुरुदास भारती ने बताया कि गणगौर देश का अनूठा लोक पर्व है। चूरू में हर वर्ष गणगौर परंपरागत उत्साह और निराले अंदाज़ में मनाया जाता है। सनातन प्रेमी संस्था के विनोद ओझा मुन्ना ने बताया कि यहां पहली बार महिला सशक्तिकरण के मधे नज़र महिलाएं और बालिकाएं गीत, संगीत, चंग और गींदढ़ नृत्य के साथ बांसुरी की मधुर धुन पर अपनी प्रस्तुति देंगी, जिसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। गणगौर महोत्सव में भाग लेने वाले सभी कलाकारों को स्वर्गीय पं. जैसराज गौड़ स्मृति सम्मान दिया जाएगा इस अवसर पर गणगौर की सवारी शाही बैंडबाजे के साथ गढ़ चौराहे से सब्जी मंडी स्थित पावटा कुएं तक जाएगी।

■ **सनातन प्रेमी, संस्था चूरू की ओर से गुरुवार 11अप्रेल को गोपाल चौक, चूरू में आयोजित होगा कार्यक्रम**

कैलादेवी मेले से वापस जाने वाले श्रद्धालुओं के लिये बस और ट्रेनों की नहीं है व्यवस्था

कैला मैया के 6 अप्रैल से शुरू हुए लक्खी मेले में दर्शनार्थियों की घर वापसी होने लगी है

हिण्डौन सिटी, (निसं)। भारत के प्रसिद्ध शक्तिपीठ कैला मैया के 6 अप्रैल से शुरू हुए लक्खी मेले में दर्शनार्थियों की अब घर वापसी होने लगी है। ऐसे में आगरा व मथुरा की ओर संचालित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच की व्यवस्था नहीं की गई है। जिसके कारण यात्रियों को जनरल बोगी के गेट पर खड़े होकर व लटक कर यात्री करनी पड़ रही है। ऐसा नजारा हिंडौन रेलवे स्टेशन पर मंगलवार रात को कोटा-पटना फास्ट ट्रेन में देखने को मिला।

■ **आगरा व मथुरा की ओर संचालित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच की व्यवस्था नहीं की गई है**

■ **यात्रियों को जनरल बोगी के गेट पर खड़े होकर व लटक कर यात्री करनी पड़ रही है**

रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर भरतपुर, मथुरा वाया पटना जाने वाली कोटा पटना ट्रेन रात करीब 9 बजे पहुंची। खचाखच भरे हुए जनरल डिब्बों में यात्री सवार होने लगे। टूंडला निवासी ने बताया कि उनके घर से कुल 12 लोग प्लेटफार्म पर खड़े थे। जिसमें आधी सवारी बमुश्किल ट्रेन में सवार हो गई और आधी सवारी प्लेटफार्म पर छूट गई। वहीं कैलादेवी से दर्शन कर प्लेटफार्म पर बैठे हुए यात्रियों ने ट्रेन के सामान्य बोगी में सवार होने के लिए दौड़ लगा दी। कुछ यात्री बोगी में सवार हुए, कुछेक ने सवार होने के लिए ट्रेन के चलने के साथ दौड़ लगाई। ऐसा नजारा अन्य फास्ट ट्रेनों में भी रहा। उल्लेखनीय है कि केलादेवी दर्शनार्थियों का प्रतिदिन 4 से 5 हजार की संख्या में घर वापसी हो रही है। जिसमें आगरा, मथुरा, टूंडला, मैनपुरी आदि के यात्री है। गंगापुर सिटी से आगरा केंट के लिए शुरू की गई। मेला स्पेशल ट्रेन के संचालन की तिथि 10 अप्रैल है। 6 अप्रैल से 22 अप्रैल तक एक लाख से अधिक यात्री आगरा व मथुरा से आवागमन करेंगे। इसके बाबजूद यात्रियों को समुचित सुविधा नहीं मिल रही है। लक्खी मेले को नियमित रूप में संचालित ट्रेनों में स्पेशल कोच भी नहीं बढ़ाया गया। इस बार 10 अप्रैल से मेला स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू होगा। ट्रेन संख्या 01961 आगरा कैंट से शाम 5 बजे गंगापुर सिटी के लिए रवाना होगी। रात 8.13 बजे हिंडौन व रात 9.40 पर गंगापुर पहुंचेगी। इसी प्रकार 01962 ट्रेन गंगापुर सिटी से रात 10.15 बजे आगरा कैंट के लिए चलेगी। हिंडौन रेलवे स्टेशन पर रात 11.10 बजे पहुंचेगी। रेलवे स्टेशन के रोडवेज यूनिट को 8 अप्रैल तक दो लाख 30 हजार की आय हो चुकी है।

राशिफल गुरूवार 11 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, वृत्तिका नक्षत्र रात्रि 1:38 तक, प्रीति योग प्रात: 7:19 तक, गर करण दिन 3:04 तक, चन्द्रमा प्रात: 8:40 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 1:38 तक है। रवियोग रात्रि 1:38 से आरम्भ होगा। आज भद्रा रात्रि 2:08 से आरम्भ होगा। आज गणगौर पूजन, गौरी तृतीया, मनोरथ तृतीया व्रत, मत्स्य जयन्ती मन्वादि है। आज से सव्वाल मु.मास 10 आरम्भ होगा। आज ईद-उल-फितर, मीठी ईद है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:45 तक, चर 10:54 से 12:28 तक, लाभ-अमृत 12:28 से 3:37 तक, शुभ 5:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:45

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक परेशानियां दूर होने लगेगी।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

सतरंगी लोकतंत्र सप्ताह का शुभारंभ, मतदाता जागरूकता अभियान में बिखरेंगे नए रंग

सतरंगी सप्ताह के अन्तर्गत प्रथम दिन ट्रांसजेंडर को मतदान हेतु जागरूक किया

धौलपुर, (निसं)। लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार धौलपुर जिला मतदाता जागरूकता अभियान प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। सात दिन बिखरेंगे सात रंग, मतलब गांव-ढाणी और कस्बों से लेकर कच्ची बस्तियों तक में आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए अलग-अलग तरह की गतिविधियां आयोजित होंगी। इस सप्ताह को नाम दिया गया है "सतरंगी सप्ताह"। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बी टी के निर्देशन में विशेष थीम आधारित सतरंगी सप्ताह की शुरुआत की गई।

सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रामराज मीना ने बताया कि सतरंगी सप्ताह के प्रथम दिवस को ट्रांस जेंडर समुदाय को फोकस कर गतिविधि आयोजित की गई। इस अवसर पर मदीना कॉलोनी में मतदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया तथा ट्रांसजेंडर के साथ-साथ सभी उपस्थित मतदाताओं को मताधिकार का संबंध में व्यापक जानकारी देते हुए 12 वैकल्पिक दस्तावेज की जानकारी दी गई। साथ ही मतदान की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा हाउसिंग बोर्ड स्थित गाड़िया लुहार की स्थायी बस्ती में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यहां स्थानीय समुदाय की महिलाओं ने लोकनृत्य कर "हम भी नाचेंगे, गाएंगे वोट डालकर आएंगे" का संदेश दिया। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदान दिवस से एक सप्ताह पूर्व वोटर्स टर्नआउट बढ़ाने के लिए किए जाने वाले मेगा इंवेंट की पूरी कार्ययोजना तैयार की गई है जिसके अनुसार सात दिवसीय गतिविधियां आयोजित होंगी जिसमें मुख्य रूप से न्यूनतम मतदान केन्द्रों वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सतरंगी सप्ताह का हर दिन मतदाताओं की अलग-अलग कैटेगरी पर केन्द्रित रहेगा। पहला दिन घूमन्तु जातियों एवं ट्रांसजेंडर मतदाता समूह, दूसरा दिन श्रमिक वर्ग, तीसरा दिन सर्विस वोटर्स, चौथा दिन दिव्यांग मतदाता, पांचवां दिन युवाओं, छठा दिन महिला मतदाता तथा सप्ताह के सातवें दिन की गतिविधि एथिकल एंड इनफॉर्म्ड वोटिंग पर केन्द्रित रहेगी।

सतरंगी लोकतंत्र सप्ताह के तहत लोगों को मतदान की शपथ दिलाई।

हर दिन होगा अलग रंग, अलग गतिविधि, अलग नारा :- लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर 10 से 16 अप्रेल तक संचालित मतदाता जागरूकता अभियान के तहत हर दिन अलग गतिविधि होगी और हर दिन का विशेष नारा होगा। पहले दिन 10 अप्रैल, बुधवार को हम भी नाचेंगे गाएंगे वोट डालकर आएंगे थीम पर लोकनृत्य की प्रस्तुति हुई, जिसकी थीम का रंग बैंगनी रखा गया। इसी प्रकार सतरंगी सप्ताह के दूसरे दिन अंगुली पर निशान राष्ट्र के नाम थीम पर म्यूजिकल बैंड और मतदाता शपथ की गतिविधि होगी। इस थीम का रंग जामुनी होगा। सप्ताह के तीसरे दिन की गतिविधि पैदल चाल और मैराथन रखी गई है जिसका थीम कलर नीला और नारा कर्तव्य पथ पर राष्ट्रहित में रहेगा। इसी प्रकार चौथे दिन की गतिविधि ट्राईसाइकिल रैली रहेगी जिसका थीम कलर हरा और नारा हम भी सक्षम राष्ट्र भी सक्षम होगा। सप्ताह के पांचवें दिन मतदाता रैली और विशेष नृत्य और अभिनय की गतिविधि रहेगी जिसका थीम कलर पीला और नारा मताधिकार का प्रयोग करेंगे वोट करेंगे वोट करेंगे होगा। इसी प्रकार छठे दिन महिला रंगोली और महिला मार्च की गतिविधि होगी जिसका थीम कलर नारंगी और नारा वोट करूंगी तभी तो आगे बढ़ूंगी रहेगा। सतरंगी सप्ताह के सातवें दिन मतदान वृक्ष और दीपदान की गतिविधि होगी जिसका थीम कलर लाल और नारा लालच पर होगी चोट, सोच समझ कर करेंगे वोट रहेगा।

■ **गाड़िया लुहार की स्थायी बस्ती में भी आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं ने लोकनृत्य कर "हम भी नाचेंगे, गाएंगे वोट डालकर आएंगे" का संदेश दिया**